This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8983**

Unique Paper Code : **2132501** **F-4**

Name of the Paper : **Aesthetics and Indian Theatre**

Name of the Course : **Sanskrit : Allied Course**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answers *all* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग 'क'

(Part 'A')

1. सौन्दर्य को परिभाषित करते हुए उसके महत्त्व को बताइए। 7

   Define Saundarya and explain its importance.

P.T.O.

अथवा

(Or)

साहित्यकला, सौन्दर्य के घटक तत्त्वों का अधिकरण है—स्पष्ट कीजिए।

Literary art is one of the basic component of Saundarya—Explain.

2. 'सौन्दर्य' के समानार्थक पदों पर प्रकाश डालिये। 10

Elaborate the synonyms of the word 'Saundarya'.

अथवा

(Or)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

(क) शुचिता

(ख) मधुरता

(ग) मनोहरिता

(घ) लावण्य।

भाग 'ख'

(Part 'B')

3. सौन्दर्यानुभूति के प्रकारों पर प्रकाश डालिए। 8

Elaborate types of Aesthetic experience.

अथवा

(Or)

रस की अलौकिकता से आप क्या समझते हैं—स्पष्ट कीजिए।

What do you understand by the concept of transcendental of Rasa.

4. 'सौन्दर्यानुभूति के स्वरूप' को स्पष्ट कीजिए। 8

Explain the nature of Aesthetic Experience.

अथवा

(Or)

कलात्मक अनुभूति के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

Discuss the types of Aesthetics experience.

भाग 'ग'

(Part 'C')

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** सौन्दर्यशास्त्रीय आचार्यों पर टिप्पणी लिखिए : 3×8=24

Write short notes on any *three* of the following thinkers of Aesthetics :

(क) भरत

(ख) शंकुक

(ग) भट्ट लोल्लट

(घ) आनन्दवर्धन

(च) पं. राजजगन्नाथ।

भाग 'घ'

(Part 'D')

6. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक की समीक्षा कीजिए। 8

Discuss the Abhijnanshakuntalam in the context of Indian aesthetics.

अथवा

(Or)

नाटकों की प्रस्तुति में मंच-व्यवस्था किस प्रकार सहायक है ? स्पष्ट कीजिए।

How is performance helped by the stage management in theatre ? Discuss.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×5=10

Write short notes on any *two* of the following :

(क) सामाजिक

(ख) रंगमंच व्यवस्था

(ग) कलाप्रदर्शन

(घ) सहृदय।